CUH signed Technology License Agreement with Farmer Producer Company

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj | **Date: 15-02-2025**

हकेवि और फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी जैवउर्वरक उत्पादन के लिए मिलकर करेंगे काम

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़ । हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने अपनी फॉस्फेट और पोटैशियम घुलनशील बैक्टीरियल (पीपीएसबी) फॉमूर्लेशन के लिए झज्जर स्थित आरसीआईसीओ लिवेबल सेवेन ब्लू रिफॉर्म फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के साथ अपना पहला ह्लप्रौद्योगिकी लाइसेंस समझौताह्ल किया है। यह महत्वपूर्ण सहयोग सतत कृषि विकास को बढ़ावा देने, मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और फसल उत्पादकता को सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह समझौता वर्तमान समय में दुनिया के समक्ष उपलब्ध चुनौतियों के लिए अनुसंधान-आधारित समाधान विकसित करने की हकेवि की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। विश्वविद्यालय के माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा विकसित यह बायोफर्टिलाइजर फॉमूर्लेशन किसानों को मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार और

समझौता हस्तांतरित करते हकेवि कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार व श्री संजय जाखड़। **आज समाज**

पोषक तत्वों की उपलब्धता को अनुकूलित करने में सहायता करेगा। जिससे सतत और पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों को बढ़ावा मिलेगा।

इस अवसर पर फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की ओर से निदेशक श्री संजय जाखड़, निदेशक ने कहा कि विश्वविद्यालय के साथ इस नवाचार को किसानों तक पहुंचाने के लिए साझेदारी करना हमारे लिए सम्मान की बात है। यह फॉमूर्लेशन किसानों को मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और बेहतर पैदावार सुनिश्चित करने में सहायता करेगा, जिससे कृषि उत्पादकता और स्थिरता में वृद्धि होगी।

विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने शिक्षा और उद्योग के बीच सहयोग के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह समझौता दशार्ता है कि कैसे विश्वविद्यालय वैज्ञानिक अनुसंधान को कृषि क्षेत्र के लिए उपयोगिता में बदल सकते हैं। विश्वविद्यालय रिसर्च एंड डेवलपमेंट डीन प्रो. पवन कुमार शर्मा ने प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और व्यावसायीकरण को बढ़ावा देने में इस तरह की साझेदारियों की भूमिका को रेखांकित किया। यह समझौता इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण है कि हमारा शोध कृषि प्रगति में सीधे योगदान कैसे दे सकता है।

बायोफर्टिलाइजर फॉमूर्लेशन के आविष्कारक व माइक्रोबायोलॉजी विभाग के प्रो. सुरेंद्र सिंह ने इस तकनीक के संभावित प्रभावों के संबंध में कहा कि यह फॉमूर्लेशन फॉस्फेट और पोटैशियम जैसे आवश्यक पोषक तत्वों की जैव उपलब्धता को बढ़ाता है, जिससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है और सतत कृषि को बढ़ावा मिलता है। माइक्रोबायोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास बेनीवाल ने बताया कि अन्य तकनीकों का परीक्षण किया जा रहा है और वे भी जल्द ही प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए उपलब्ध होंगी। स्कूल ऑफ इंटरडिसिल्निरी एंड एप्लाइड साइंसेज के डीन प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने तकनीक के विकास और उसके किसान उत्पादक कंपनी को हस्तांतरित किए जाने पर विभाग और आविष्कारक को बधाई दी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य, शोधार्थी और किसान-उत्पादक कंपनी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 15-02-2025**

हकेंवि और फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी जैव उर्वरक उत्पादन पर मिलकर करेगी काम

मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने, उत्पादकता सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) ने फॉस्फेट और पोटैशियम घुलनशील बैक्टीरियल (पीपीएसबी) फॉर्मूलेशन के लिए झज्जर स्थित आरसीआईसीओ लिवेबल सेवेन ब्लू रिफॉर्म फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के साथ पहला प्रौद्योगिकी लाइसेंस समझौता किया है।

यह महत्वपूर्ण सहयोग सतत कृषि विकास को बढ़ावा देने, मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और फसल उत्पादकता को सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि समझौता अनुसंधान-आधारित समाधान विकसित करने की हकेंवि की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की ओर से निदेशक संजय जाखड़ ने कहा कि विश्वविद्यालय के साथ इस नवाचार को किसानों तक पहुंचाने के लिए साझेदारी करना हमारे लिए सम्मान की बात है।

समझौता हस्तांतरित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व संजय जाखड़। स्रोत : हकेंवि

विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि यह समझौता दर्शाता है कि कैसे विश्वविद्यालय वैज्ञानिक अनुसंधान को कृषि क्षेत्र के लिए उपयोगिता में बदल सकते हैं। विश्वविद्यालय रिसर्च एंड डेवलपमेंट डीन प्रो. पवन कुमार शर्मा ने प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और व्यावसायीकरण को बढ़ावा देने में इस तरह की सांझेदारियों की भूमिका को रेखांकित किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 15-02-2025**

हकेंवि और फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी मिलकर करेंगे काम

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) ने अपने फॉस्फेट और पोटैशियम घुलनशील बैक्टीरियल (पीपीएसबी) फॉर्मूलेशन के लिए झज्जर की आरसीआईसीओ लिवेबल सेवेन ब्लू रिफॉर्म फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के साथ अपना पहला 'प्रौद्योगिकी लाइसेंस समझौता' किया। यह करार सतत कृषि विकास, मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और फसल उत्पादकता सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह समझौता अनुसंधान आधारित समाधान विकसित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा विकसित यह बायोफर्टिलाइजर किसानों को मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार और पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ाने में सहायता करेगा। फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी के निदेशक संजय जाखड़ ने कहा कि किसानों को उन्नत तकनीक से जोड़ना गर्व की बात है। यह फॉर्मूलेशन कृषि उत्पादकता और स्थिरता बढ़ाने में सहायक होगा।

19वां उन्मुखीकरण और जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

महेंद्रगढ़ | (हकेंवि) के मदन मोहन मालवीय टीचर ट्रेनिंग सेंटर (एमएमटीटीसी) द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 पर केंद्रित 19वें उन्मुखीकरण व जागरूकता कार्यक्रम का समापन हो गया। समापन सत्र में महर्षि दयानंद विवि, रोहतक के पूर्व कुलपति प्रो. बीके पूनिया व विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी के प्रो. ऋषिपाल विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे जबकि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। तत्पश्चात डॉ. अमित सिंह ने विशेषज्ञ वक्ताओं का परिचय प्रतिभागियों से कराया। विशेषज्ञ वक्ता प्रो. बीके पूनिया ने लीडरशिप पर केंद्रित अपने व्याख्यान में विषय के विभिन्न पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 15-02-2025**

हकेंवि व कंपनी जैविक खाद पर करेंगे मिलकर काम

समझौता ज्ञापन हस्तांतरित करते हकेंवि कुलपति प्रो. टंकेशवर व संजय जाखड़ ●

संवाद सहयोगी, जागरण ● महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने अपनी फास्फेट और पोटैशियम घुलनशील बैक्टीरियल (पीपीएसबी) फार्मूलेशन के लिए झज्जर स्थित आरसीआइसीओ लिवेबल सेवेन ब्लू रिफार्म फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के साथ अपना पहला 'प्रौद्योगिकी लाइसेंस समझौता' किया है। यह महत्वपूर्ण सहयोग सतत कृषि विकास को बढ़ावा देने, मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और फसल उत्पादकता को सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह समझौता वर्तमान समय में दुनिया के समक्ष उपलब्ध चुनौतियों के लिए अनुसंधान-आधारित समाधान विकसित करने की हकेंवि की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। विश्वविद्यालय के माइक्रोबायोलाजी विभाग द्वारा विकसित यह बायोफर्टिलाइजर फार्मूलेशन किसानों को मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार और पोषक तत्वों की उपलब्धता को अनुकूलित करने में सहायता करेगा।

इस अवसर पर फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की ओर से निदेशक श्री संजय जाखड़, निदेशक ने कहा कि विश्वविद्यालय के साथ इस नवाचार को किसानों तक पहुंचाने के लिए साझेदारी करना हमारे लिए सम्मान की बात है। यह फार्मूलेशन किसानों को मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और बेहतर पैदावार सुनिश्चित करने में सहायता करेगा, जिससे कृषि उत्पादकता और स्थिरता में वृद्धि होगी। विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने शिक्षा और उद्योग के बीच सहयोग के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह समझौता दर्शाता है कि कैसे विश्वविद्यालय वैज्ञानिक अनुसंधान को कृषि क्षेत्र के लिए बदल सकते हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Evening Mail | **Date: 15-02-2025**

हकेवि और फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी जैवउर्वरक उत्पादन के लिए मिलकर करेंगे काम

इ.मेल संवाददाता

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने अपनी फॉस्फेट और पोटैशियम घुलनशील बैक्टीरियल (पीपीएसबी) फॉर्मूलेशन के लिए झज्जर स्थित आरसीआईसीओ लिवेबल सेवेन ब्लू रिफॉर्म फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के साथ अपना पहला 'प्रौद्योगिकी लाइसेंस समझौता' किया है।

यह महत्वपूर्ण सहयोग सतत कृषि विकास को बढ़ावा देने, मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और फसल उत्पादकता को सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह समझौता वर्तमान समय में दुनिया के समक्ष उपलब्ध चुनौतियों के लिए अनुसंधान-आधारित समाधान विकसित करने की हकेवि की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

विश्वविद्यालय के माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा विकसित यह बायोफर्टिलाइजर फॉर्मूलेशन किसानों को मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार और पोषक तत्वों की उपलब्धता को अनुकूलित करने में सहायता करेगा। जिससे सतत और पर्यावरण- अनुकूल कृषि पद्धतियों को बढ़ावा मिलेगा।

इस अवसर पर फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की ओर से निदेशक श्री संजय जाखड़, निदेशक ने कहा कि विश्वविद्यालय के साथ इस नवाचार को किसानों तक पहुंचाने के लिए साझेदारी करना हमारे लिए सम्मान की बात है। यह फॉर्मूलेशन किसानों को मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और बेहतर पैदावार सुनिश्चित करने में सहायता करेगा, जिससे कृषि उत्पादकता और स्थिरता में वृद्धि होगी। विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने शिक्षा और उद्योग के बीच सहयोग के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह समझौता दर्शाता है कि कैसे विश्वविद्यालय वैज्ञानिक अनुसंधान को कृषि क्षेत्र के लिए उपयोगिता में बदल सकते हैं। विश्वविद्यालय रिसर्च एंड डेवलपमेंट डीन प्रो. पवन कुमार शर्मा ने प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और व्यावसायीकरण को बढ़ावा देने में इस तरह की साझेदारियों की भूमिका को रेखांकित किया। यह समझौता इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण है कि हमारा शोध कृषि प्रगति में सीधे योगदान कैसे दे सकता है।

बायोफर्टिलाइजर फॉर्मूलेशन के आविष्कारक व माइक्रोबायोलॉजी विभाग के प्रो. सुरेंद्र सिंह ने इस तकनीक के संभावित प्रभावों के संबंध में कहा कि यह फॉर्मूलेशन फॉस्फेट और पोटैशियम जैसे आवश्यक पोषक तत्वों की जैव उपलब्धता को बढ़ाता है, जिससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है और सतत कृषि को बढ़ावा मिलता है।

माइक्रोबायोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास बेनीवाल ने बताया कि अन्य तकनीकों का परीक्षण किया जा रहा है और वे भी जल्द ही प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए उपलब्ध होंगी। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के डीन प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने तकनीक के विकास और उसके किसान उत्पादक कंपनी को हस्तांतरित किए जाने पर विभाग और आविष्कारक को बधाई दी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Gurgaon Today **Date: 15-02-2025**

हकेवि और फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी जैवउर्वरक उत्पादन के लिए मिलकर करेंगे काम

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे

हरियाणा केंदीय विश्वविद्यालय और फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी जैव उत्पादन के लिए मिलकर करेंगे काम, इस बारे में समझीते पर हस्ताक्षर करते हुए कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार और सुनील जाखड़।

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने अपनी फॉस्फेट और पोटैशियम घुलनशील बैक्टीरियल (पीपीएसबी) फॉर्मूलेशन के लिए झज्जर स्थित आरसीआईसीओ लिवेबल सेवेन ब्लू रिफॉर्म फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के साथ अपना पहला 'प्रौद्योगिकी लाइसेंस समझौता' किया है। यह महत्वपूर्ण सहयोग सतत कृषि विकास को बढ़ावा देने, मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और फसल उत्पादकता को सुधारने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह समझौता वर्तमान समय में दुनिया के समक्ष उपलब्ध चुनौतियों के लिए अनुसंधान-आधारित समाधान विकसित करने की हकेवि की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। विश्वविद्यालय के माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा विकसित यह बायोफर्टिलाइजर फॉर्मूलेशन किसानों को मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार और पोषक तत्वों की उपलब्धता को अनुकूलित करने में सहायता करेगा। जिससे सतत और पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों को बढ़ावा मिलेगा।

इस अवसर पर फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की ओर से निदेशक श्री संजय जाखड़, निदेशक ने कहा कि विश्वविद्यालय के साथ इस नवाचार को किसानों तक पहुंचाने के लिए साझेदारी करना हमारे लिए सम्मान की बात है। यह फॉर्मूलेशन किसानों को मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और बेहतर पैदावार सुनिश्चित करने में सहायता करेगा।

विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने शिक्षा और उद्योग के बीच सहयोग के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह समझौता दर्शाता है कि कैसे विश्वविद्यालय वैज्ञानिक अनुसंधान को कृषि क्षेत्र के लिए उपयोगिता में बदल सकते हैं। विश्वविद्यालय रिसर्च एंड डेवलपमेंट डीन प्रो. पवन कुमार शर्मा ने प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और व्यावसायीकरण को बढ़ावा देने में इस तरह की साझेदारियों की भूमिका को रेखांकित किया। यह समझौता इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण है कि हमारा शोध कृषि प्रगति में सीधे योगदान कैसे दे सकता है।

बायोफर्टिलाइजर फॉर्मूलेशन के आविष्कारक व माइक्रोबायोलॉजी विभाग के प्रो. सुरेंद्र सिंह ने इस परतकनीक के संभावित प्रभावों के संबंध में कहा कि यह फॉर्मूलेशन फॉस्फेट और पोटैशियम जैसे आवश्यक पोषक तत्वों की जैव उपलब्धता को बढ़ाता है, जिससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है और सतत कृषि को बढ़ावा मिलता है। माइक्रोबायोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास बेनीवाल ने बताया कि अन्य तकनीकों का परीक्षण किया जा रहा है और वे भी जल्द ही प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए उपलब्ध होंगी। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के डीन प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने तकनीक के विकास और उसके किसान उत्पादक कंपनी को हस्तांतरित किए जाने पर विभाग और आविष्कारक को बधाई दी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य, शोधार्थी और किसान-उत्पादक कंपनी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Hello Rewari **Date: 15-02-2025**

हकेवि और फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी जैवउर्वरक उत्पादन के लिए मिलकर कण करेंगे

हैलो रेवाड़ी संवाददाता

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ ने अपनी फॉस्फेट और पोटैशियम घुलनशील बैक्टीरियल (पीपीएसबी) फॉर्मूलेशन के लिए झज्जर स्थित आरसीआईसीओ लिवेबल सेवेन ब्लू रिफॉर्म फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के साथ अपना पहला 'प्रौद्योगिकी लाइसेंस समझौता' किया है। यह महत्वपूर्ण सहयोग सतत कृषि विकास को बढ़ावा देने, मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और फसल उत्पादकता को सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह समझौता वर्तमान समय में दुनिया के समक्ष उपलब्ध चुनौतियों के लिए अनुसंधान-आधारित समाधान विकसित करने की हकेवि की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। विश्वविद्यालय के माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा विकसित यह बायोफर्टिलाइजर फॉर्मूलेशन किसानों को मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार और पोषक तत्वों की उपलब्धता को अनुकूलित करने में सहायता करेगा। जिससे सतत और पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों को बढ़ावा मिलेगा। विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने शिक्षा और उद्योग के बीच सहयोग के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह समझौता दर्शाता है कि कैसे विश्वविद्यालय वैज्ञानिक अनुसंधान को कृषि क्षेत्र के लिए उपयोगिता में बदल सकते हैं। विश्वविद्यालय रिसर्च एंड डेवलपमेंट डीन प्रो. पवन कुमार शर्मा ने प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और व्यावसायीकरण को बढ़ावा देने में इस तरह की साझेदारियों की भूमिका को रेखांकित किया। यह समझौता इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण है कि हमारा शोध कृषि प्रगति में सीधे योगदान कैसे दे सकता है। बायोफर्टिलाइजर फॉर्मूलेशन के आविष्कारक व माइक्रोबायोलॉजी विभाग के प्रो. सुरेंद्र सिंह ने इस तकनीक के संभावित प्रभावों के संबंध में कहा कि यह फॉर्मूलेशन फॉस्फेट और पोटैशियम जैसे आवश्यक पोषक तत्वों की जैव उपलब्धता को बढ़ाता है, जिससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है और सतत कृषि को बढ़ावा मिलता है। माइक्रोबायोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास बेनीवाल ने बताया कि अन्य तकनीकों का परीक्षण किया जा रहा है और वे भी जल्द ही प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए उपलब्ध होंगी। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के डीन प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने तकनीक के विकास और उसके किसान उत्पादक कंपनी को हस्तांतरित किए जाने पर विभाग और आविष्कारक को बधाई दी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य, शोधार्थी और किसान-उत्पादक कंपनी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: The Home Pages **Date: 15-02-2025**

CUH, Farmer Producer Company to work together for Biofertilizer production

HOMEPAGES NEWS SERVICE

MAHENDERGARH, FEB 14 :Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, has signed its first Technology License Agreement with M/S RCICO Liveable Seven Blu Reform Farmer Producer Company Limited, Jhajjar, for its innovative Phosphate and Potassium Solubilizing Bacterial (PPSB) formulation. This significant collaboration marks a step forward in advancing sustainable agricultural practices by enhancing soil fertility and crop productivity.

Speaking on the occasion, Prof. (Dr.) Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, Central University of Haryana, stated, "This agreement is a testament to CUH's commitment to fostering research-driven solutions for real-world challenges. The biofertilizer formulation developed by microbiology department will help farmers improve soil health and optimize nutrient availability, ultimately leading to sustainable and eco-friendly farming practices."

On behalf of M/S RCICO Liveable Seven Blu Reform Farmer Producer Company Limited, Sanjay Jakhar, Director, shared his vision for the collaboration: "We are honored to partner with CUH to bring this innovative technology to farmers. This formulation will empower cultivators by improving soil fertility and ensuring better yields, thereby contributing to increased agricultural productivity and sustainability."

Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor, CUH and Mr. Sanjay Jakhar handing over the agreement. HP PHOTO

Prof. Suneel Kumar, Registrar, CUH, emphasized the importance of academia-industry collaboration, remarking, "This agreement demonstrates how universities can translate scientific research into tangible benefits for the agricultural sector. By licensing our technology to a dedicated farmer- producer company, we ensure that innovative solutions reach the grassroots level." Prof. Pawana Kumar Sharma, Dean, Research & Development, CUH, highlighted the role of such partnerships in enhancing technology transfer and commercialization. "Our research ecosystem is designed to facilitate groundbreaking innovations. This licensing agreement is an excellent example of how our research can contribute directly to agricultural advancement," he said.

The inventor of the biofertilizer formulation, Prof Surender Singh of Microbiology Department expressed enthusiasm about the potential impact of this technology.

"This formulation enhances the bioavailability of essential nutrients like phosphate and potassium, reducing dependency on chemical fertilizers and promoting sustainable agriculture. It is heartening to see our research being

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 15-02-2025**

हकेंवि और फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी जैवउर्वरक उत्पादन के लिए मिलकर करेंगे काम

महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अपनी फॉस्फेट और पोटैशियम घुलनशील बैक्टीरियल (पीपीएसबी) फॉर्मूलेशन के लिए झज्जर स्थित आरसीआईसीओ लिवेबल सेवेन ब्लू रिफॉर्म फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के साथ अपना पहला प्रौद्योगिकी लाइसेंस समझौता किया है। यह महत्वपूर्ण सहयोग सतत कृषि विकास को बढ़ावा देने, मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और फसल उत्पादकता को सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह समझौता वर्तमान समय में दुनिया के समक्ष उपलब्ध चुनौतियों के लिए अनुसंधान-आधारित समाधान विकसित करने की हकेवि की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। विश्वविद्यालय के माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा विकसित यह बायोफर्टिलाइजर फॉर्मूलेशन किसानों को मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार और पोषक तत्वों की उपलब्धता को अनुकूलित करने में सहायता करेगा। जिससे सतत और पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की ओर से निदेशक श्री संजय जाखड़, निदेशक ने कहा कि विश्वविद्यालय के साथ इस नवाचार को किसानों तक पहुंचाने के लिए साझेदारी करना हमारे लिए सम्मान की बात है। यह फॉर्मूलेशन किसानों को मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और बेहतर पैदावार सुनिश्चित करने में सहायता करेगा, जिससे कृषि उत्पादकता और स्थिरता में वृद्धि होगी। विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने शिक्षा और उद्योग के बीच सहयोग के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह समझौता दर्शाता है कि कैसे विश्वविद्यालय वैज्ञानिक अनुसंधान को कृषि क्षेत्र के लिए उपयोगिता में बदल सकते हैं। विश्वविद्यालय रिसर्च एंड डेवलपमेंट डीन प्रो. पवन कुमार शर्मा ने प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और व्यावसायीकरण को ब?ावा देने में इस तरह की साझेदारियों की भूमिका को रेखांकित किया। यह समझौता इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण है कि हमारा शोध कृषि प्रगति में सीधे योगदान कैसे दे सकता है। बायोफर्टिलाइजर फॉर्मूलेशन के आविष्कारक व माइक्रोबायोलॉजी विभाग के प्रो. सुरेंद्र सिंह ने इस तकनीक के संभावित प्रभावों के संबंध में कहा कि यह फॉर्मूलेशन फॉस्फेट और पोटैशियम जैसे आवश्यक पोषक तत्वों की जैव उपलब्धता को बढ़ाता है, जिससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है और सतत कृषि को बढ़ावा मिलता है।

समझौता हस्तांतरित करते हकेंवि कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार व श्री संजय जाखड़।

पंजाब केसरी
Sat, 15 February 2025
https://mpaper.punjabkesari.com/c/76826563